उत्तराखण्ड–संस्कृत–विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

आचार्य प्रथम बर्षम्

निम्बार्क वेदान्तः

प्रथम सत्रार्द्धम् (प्रथम सेमेस्टर)

पाठ्यक्रम विवरणम्

प्रथमपत्रम् – प्रातः स्मरण स्तोत्रम् – **80+20 अंकाः**

द्वितीयपत्रम् – ब्रह्मसूत्रम् – **80+20 अंकाः**

पारिजातभाष्यम्–प्रथमाध्यायस्य (प्रथम, द्वितीयपादौ)

तृतीयपत्रम्– दशश्लोकी – **80+20 अंकाः**

सिद्धान्त कुसुमाञ्जलिसहिता

चतुर्थपत्रम्– वेदान्त कौस्तुभः प्रभा–प्रथम, द्वितीयाध्यायौ – **80+20 अंकाः**

पंचमपत्रम् – ब्रह्मसूत्रम्–(द्वितीयाध्यायस्य, प्रथम, द्वितीयपादौ) – **80+20 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

द्वितीय सत्रार्द्धम् (द्वितीय सेमेस्टर)
पाठ्यक्रम विवरण

प्रथमपत्रम् – राधाष्टकम् – **80+20 अंकाः**
द्वितीयपत्रम् – ब्रह्मसूत्रम् – **80+20 अंकाः**
पारिजात भाष्यम्–(प्रथमाध्यायस्य, तृतीय, चतुर्थपादौ)
तृतीयपत्रम् – ब्रह्मसूत्रम्–(द्वितीयाध्यायस्य, तृतीय, चतुर्थपादौ) – **80+20 अंकाः**
चतुर्थपत्रम् – वेदान्त कौस्तुभप्रभा–(तृतीय, चतुर्थाध्यायौ) – **80+20 अंकाः**
पंचमपत्रम् – कृष्णस्तव राजः–(सविशेषनिर्विशेषः) – **80+20 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

आचार्य द्वितीय वर्षम्

निम्बार्क वेदान्तः
प्रथम सत्रार्द्धम् (तृतीय सेमेस्टर)
पाठ्यक्रम विवरणम्

प्रथमपत्रम् – छान्दोग्योपनिषत्–निम्बार्क भाष्य सहिता – **80+20 अंकाः**
(पञ्चषष्ठाध्यायौ)

द्वितीयपत्रम् – ब्रह्मसूत्रम–निम्बार्क भाष्यम् – **80+20 अंकाः**
(तृतीयाध्यायस्य, प्रथम, द्वितीयपादौ)

तृतीयपत्रम् – वेदान्त कौस्तुभः – **80+20 अंकाः**

चतुर्थपत्रम् –बृहदारण्यकोपनिषत् – **80+20 अंकाः**
(प्रथम–द्वितीय, तृतीयाध्यायाः)

पंचमपत्रम् – स्वशास्त्रेतिहासः

(क) स्वशास्त्रे निबन्धाः – **40 अंकाः +20**

(ख) आचार्याणामितिवृत्तम् – **40 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

आचार्य द्वितीय वर्षम्
निम्बार्क वेदान्तः
द्वितीय सत्रार्द्धम् (चतुर्थ सेमेस्टर)
पाठ्यक्रम

प्रथमपत्रम् – छान्दोग्योपनिषत्–निम्बार्क भाष्य सहिता **– 80+20 अंकाः**
(सप्ताष्टाध्यायौ)

द्वितीयपत्रम् – ब्रह्मसूत्रम्–निम्बार्क भाष्यम **– 80+20 अंकाः**
(तृतीयाध्यायस्य, तृतीय, चतुर्थपादौ)

तृतीयपत्रम् –कृष्णाष्टकम् **– 80+20 अंकाः**

चतुर्थपत्रम् – ब्रह्मसूत्रम्–चतुर्थाध्यायः **– 80+20 अंकाः**

पंचमपत्रम्–वाक्परीक्षा **– 100 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।